हिन्दी भाषा शिक्षण के सामान्य व विशिष्ट उद्देश्य

भाषा शिक्षण का उद्देश्य भाषा की समझ और अभिव्यक्ति का विकास करना है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए ऐसा आत्मीय परिवेश ज़रूरी है जिसमें हर बच्चा अपनी सोच भावनाओं को बगैर डर और संकोच के व्यक्त कर सके।

भाषा - शिक्षण में ध्यान देने योग्य महत्वपूर्ण बिन्दु - भाषा शिक्षण का क्षेत्र व्यापक होने के कारण भाषा शिक्षण कठिन है। भाषा शिक्षण का उद्देश्य ज्ञानार्जन के साथ - साथ भावों का विस्तार, भाषाई कौशल में दृढ़ता, तथा प्रेषनीयता है।

भाषा बहुत ही व्यापक विषय है। भाषा शिक्षण का मूल उद्देश्य छात्रों में सभी भाषा कौशलों में निपुणता हासिल करवाना है, जिससे वे भाषा का प्रभावी और संदर्भयुक्त प्रयोग कर सकें। भाषा शिक्षण का उद्देश्य भाषा की समझ और अभिव्यक्ति का विकास करना है। किसी भी भाषा की समृद्धि तथा जीवंतता की पहचान उसके विभिन्न रूपों शब्दों तथा शैली की विविधता से होती है। विभिन्न शोधों के माध्यम से यह बात पूरे विश्व में सिद्ध हो चुकी है कि कक्षा में मौजूद भाषाई विविधता सोचने, समझने और व्यक्त करने के तरीकों का विस्तार करती है।

Scanned with CamScanner

भाषा बहुत ही व्यापक विषय है। इसके दो पक्ष स्पष्ट हैं।
(i) भाषिक (ii) साहित्यिक. भाषा शिक्षण के प्रमुख निम्नलिखित है।

I. ज्ञानात्मक —: भाषिक तत्वों, साहित्यिक विधाओं, विषयवस्तु रचना कार्य के विभिन्न रूप का बोध कराने के लिए भाषा शिक्षण आवश्यक है।

II. रसात्मकता —: साहित्य का रसात्मकता करना लेखक या कवि के भावों तथा विचारों को समझना।

III. सर्जनात्मकता —: यह भाषा शिक्षण का सर्वाधिक महत्वपूर्ण उद्देश्य है। लेखन कार्य में मौलिकता लाना। अपने लेखन में प्रभाव उत्पन्न करना। बोली में प्रभाव डालना।

IV. अभिवृत्यात्मकता —: भाषा और साहित्य में रुचि लेना और अच्छे व्यवहार का विकास करना ताकि उच्चारण, वर्तनी, शब्द का ज्ञान हो ताकि वह शुद्ध-शुद्ध बोल सके।

Scanned with CamScanner

हमने देखा कि भाषा शिक्षण के प्रमुख उद्देश्य कौन-कौन से हैं। जैसे कि हम सभी जानते हैं कि शिक्षण के दौरान तीन लोगों का होना अनिवार्य है जिसमें मुख्य रूप से शिक्षक, शिक्षार्थी और पाठ्यक्रम। किसी एक के भी अभाव में शिक्षण संभव नहीं है। क्यों कि शिक्षण का उद्देश्य बालकों को सीखने के लिए प्रेरित करना है क्यों कि छात्रों को प्रेरित ना होने पर शिक्षण अधिगम उपयुक्त नहीं होगा। पाठ्यक्रम की शब्दावली को समझना, निर्धारित स्थान की सस्वर वाचन क्षमता बढ़ाना, उच्चारण को शुद्ध करना, शब्द भंडार में वृद्धि करना, वाचन को शुद्ध एवं प्रभावपूर्ण बनाना क्यों कि शिक्षण की इसी उद्देश्य से बौद्धिक एवं मानसिक क्षमता का विकास होता जो कि काफी महत्वपूर्ण है।

———— X ———— X ————

Scanned with CamScanner